जुलाई 2025 अंक 4, खंड 9

परिवर्तन पत्रिका

समुदाय के लिए तक्षशिला की एक पहल

ग्राम एवं पो. नरेन्द्रपुर, प्रखण्ड: जीरादेई, जिला: सिवान-841 446 बिहार | मोबाइल : 8434170118 | Email : Info@parivartanbihar.org

सामाजिक मुद्दों को उजागर करना एवं लोगों को एक साथ लाना आवश्यक है

रंगमंच सामाजिक जागरूकता एवं बदलाव का एक प्रभावी माध्यम है। नुक्कड़ एवं नाटक के जरिये किसी भी गंभीर विषय को सहजता से समाज के बीच पेश किया जा सकता है एवं उसपर लोगो से खुलकर बात भी की जा सकती है। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए परिवर्तन रंगमंडली द्वारा समाज के ज्वलंत मुद्दों को नाटक के माध्यम से समाज में पेश करने एवं लोगों को जागरूक करने का प्रयास लगातार किया जा रहा है। इसी कड़ी में सुप्रसिद्ध नाटक निर्देशक लेखक, अभिनेता हबीब तनवीर का लिखा हुए नाटक चरणदास चोर का प्रदर्शन सामुदायिक रंगमंच द्वारा दिनांक 10 जुलाई 2025 को परिवर्तन परिसर में किया गया। इस नाटक में मुख्य किरदार,- चरणदास, एक चोर है जो अपने गुरु से वादा करता है कि वह कभी झूठ नहीं बोलेगा। कथानक के अनुसार गुरु चरणदास से कहते हैं कि अगर वह शिष्य बनना

चाहता है तो झूठ बोलना छोड़ना होगा एवं बुरी आदतें भी छोड़नी होगी। चरणदास सहमत होता है और वादा पूरा करता है। इस प्रस्तुति के दौरान उपस्थित लगभग 600 दर्शकों को राजस्थानी लोक कथा पर आधारित यह नाटक काफी पसंद आया और दर्शकों ने बहुत उल्लास से भर प्रशंसा की।

जीवन चुनौतियों को पार पाने का कौशल है

विद्यालय के बच्चों को नेतृत्त्व कौशल का प्रशिक्षण देना बहुत महत्त्वपूर्ण है क्योंकि इससे बच्चों में आत्मविश्वास, समस्या समाधान कौशल ,टीम वर्क और सामाजिक भावनात्मक विकास जैसे महत्वपूर्ण गुण विकसित होते हैं. यह प्रशिक्षण बच्चों को भविष्य के लिए तैयार करता है उन्हें जीवन की चुनौतियों का सामना करने और सफलता प्राप्त करने में मदद करता है। इसी को देखते हुए परिवर्तन से जुड़े विद्यालयों में नेतृत्त्व कौशल प्रशिक्षण देने की शुरुआत की गयी। नेतृत्त्व कौशल प्राप्त कर रहे विद्यालय के बच्चों में में कुछ बच्चों के साथ कुछ करने की योजना बनायी गयी ताकि देखा जा सके कि प्रशिक्षण का असर किस प्रकार से हो रहा है।

इसी सोच के तहत 16 जुलाई एवं 24 जुलाई 2025 को दो विद्यालयों क्रमशः उच्च विद्यालय नरेन्द्रपुर एवं उच्च विद्यालय बलईपुर में नेतृत्त्व विषय संवाद प्रतियोगिता का आयोजन करवाया गया। इस प्रतियोगिता में कुल 6 विद्यालयों से 52 प्रतिभागियों ने प्रतिभागिता की। इस प्रतियोगिता में सभी

प्रतिभागियों ने खुद को जानने के विषय पर अपनी बात रखी। इनके वक्तव्य एवं इनके कौशल को निर्णायक समिति द्वारा बारीकी से परखा गया जिसमें विद्यालय के शिक्षक सहित परिवर्तन के सदस्य भी शामिल थे। आयोजनकर्ता के रूप में दोनों विद्यालय परिवार थे। विद्यालय प्रबंधन की तरफ से सभी विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इस प्रतियोगिता को आयोजित करने के पीछे का मूल उद्देश्य विद्यार्थियों की सोचने समझने की क्षमता को बढ़ाना साथ ही साथ किसी भी विषय के संवाद के प्रति उनमें आत्मविश्वास पैदा करना था। यह कार्यक्रम विद्यालय परिवार सहित बच्चों को भी काफी पसंद आया।

इसी क्रम में खेल विकास के लिए भाग के तरह स्वास्थ्य आधारित खेल सत्र का आयोजन 16 समुदाय एवम 11 विद्यालय के लगभग 850 बच्चों के साथ किया गया जिसमे बच्चों को खेल खेल के जरिये उनके स्वास्थ्य के बारे में जागरूक किया गया एवम विभिन्न तरह सन्देश को दिया गया। ये सत्र नियमित रूप से बच्चों के साथ आयोजित किये जाते हैं।

चित्रकारी- चित्रकार के मन की भाषा है

सभी कलाओं में विशेष महत्त्व रखने वाली कला,- चित्रकला है। चित्रकला के माध्यम से हम बिना बोले अपने मन की तमाम भावनाओं को व्यक्त कर सकते हैं। इसी कला के लिए समुदाय एवं विद्यालय के बच्चों में रूचि पैदा करने के उद्देश्य से कला संकाय द्वारा कला प्रदर्शनी का आयोजन दिनांक 1-5 जुलाई 2025 तक अलग-अलग कुल 5 विद्यालयों में किया गया। इस प्रदर्शनी का उद्देश्य गर्मी की छुट्टी में परिवर्तन द्वारा आयोजित समर कैंप में 21 गाँवों के लगभग 60 बच्चों द्वारा बनाई गयी विभिन्न प्रकार की कलाकृतियों को विभिन्न विद्यालय के बच्चों एवं शिक्षकों तक पहुँचाना था ताकि इस प्रदर्शनी के माध्यम से कलाकार की भावनाओं को समझा जा सके एवं कला से अन्य बच्चों को जोड़ा जा सके। इस प्रदर्शनी को 5 विद्यालयों में लगभग 1279 बच्चों ने एवं 42 शिक्षकों ने देखा। भाग लेने वाले सभी बच्चों एवं शिक्षकों को प्रत्येक कलाकार की चित्रकारी अत्यंत सराहनीय लगी। शिक्षकों की प्रतिक्रिया थी,-" इस प्रकार की प्रदर्शनी से बच्चों में कुछ नया करने की रूचि पैदा हो रही है एवं बच्चे रचनात्मक बन रहे हैं। ऐसी प्रदर्शनी आयोजित होते रहनी चाहिए। "

कला एवं संस्कृति ही युवा पीढ़ी को जड़ से जोड़ सकती है

भारतीय संस्कृति और कला के प्रति समुदाय को जागरूक करने हेतु परिवर्तन का प्रयास अपने प्रारंभ काल से ही हो रहा है। परिवर्तन का मानना है कि कला एवं संस्कृति के माध्यम से युवा पीढ़ी अपनी जड़ों से जुड़ सकती है और एक बेहतर इंसान बन सकती है। इसी कड़ी में परिवर्तन का जुड़ाव स्पिक मैके से हुआ। स्पिक मैके का भी उद्देश्य युवाओं को भारतीय संस्कृति एवं कला के प्रति जागरूक करना है। यह संगठन भारत और विदेशों में नृत्य प्रदर्शनों, कार्यशालाओं, शास्त्रीय एवं लोक संगीत के कार्यक्रमों का आयोजन करता है।

इसी उद्देश्य के तहत परिवर्तन द्वारा प्रत्येक 4 माह पर स्पिक मैके के सहयोग से विभिन्न विद्यालयों के बच्चों के साथ अलग अलग तरह के कार्यक्रमों को आयोजित किया जाता है। इस वर्ष भी दिनांक 22-25 जुलाई 2025 तक कुल 8 विद्यालयों के लगभग 2500 विद्यार्थियों एवं 150 शिक्षकों के साथ इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस बार के कार्यक्रम में देश के सुप्रसिद्ध सितार वादक सुप्रतिसेन गुप्ता एवं तबला वादक तीर्थो बंदोपाध्याय द्वारा प्रस्तुति दी गई। यह कार्यक्रम विद्यालय प्रबंधन सहित बच्चों को भी काफी पसंद आया।

आधुनिक समय में सुपर सीडर किसानों के लिए बचत का एक बेहतरीन विकल्प है

परिवर्तन संस्था अपने कार्यक्षेत्र के किसानों की खेती में लागत कम एवं उत्पादन ज्यादा करने को लेकर हर संभव प्रयास करती रहती है। इसी क्रम में सुपर सीडर कृषि यंत्र को किसानों में लोकप्रिय बनाने के लिए खेतों पर धान की सीधी बुआई कराई गयी। सुपर सीडर मशीन धान की खेती में कई तरह से फायदेमंद है।

- यह मशीन फसल अवशेषों को बिना जलाये मिट्टी में मिलाने का काम करती है जिससे मिट्टी की उर्वरता बढ़ती है और पर्यावरण प्रदूषण कम होता है।
- सुपर सीडर के उपयोग से बीज समान रूप से और सही गहराई पर बोये जाते हैं जिससे बेहतर उपज प्राप्त होती है।
- यह मशीन मिट्टी की नमी को बनाये रखने में मदद करती है जिससे सिंचाई की आवश्यकता कम हो जाती है।
- सुपर सीडर मशीन धान की खेती के लिए एक आधुनिक और कुशल उपकरण है जो किसानों को कई लाभ प्रदान करता है।
- यह एक पर्यावरण अनुकूल समाधान है जो किसानों को अधिक टिकाऊ और लाभदायक खेती करने में मदद करता है।
- इसके अलावा यह समय और श्रम दोनों की बचत करता है और बेहतर उपज सुनिश्चित करता है।

वार्ड की जरूरतों के प्रति आम जन का सहयोग भी आवश्यक है

पंचायती राज व्यवस्था में प्रत्येक पंचायत के प्रत्येक वार्ड प्रतिनिधि को मजबूत होना एवं मुखर होकर अपनी बात रखना आवश्यक होता है। लेकिन व्यवहार में देखा गया है कि ज्यादातर जगहों पर यह स्थिति नहीं है। वार्ड सदस्य को अपने वार्ड की समस्याओं एवं जरूरतों के प्रति उतनी सजगता नहीं है जितनी आवश्यक है। इसी को देखते हुए परिवर्तन जागृति महिला समाख्या टीम द्वारा प्रत्येक वार्ड के जन प्रतिनिधियों के साथ मिलकर आम जन की उपस्थिति में वार्ड सभा का आयोजन कराने का प्रयास किया जा रहा है। इस वार्ड सभा में महिलाएं बड़ी संख्या में भाग ले रही हैं। वार्ड सभा के माध्यम से ये महिलाएं वार्ड से सम्बंधित मुद्दों पर खुलकर चर्चा कर रही हैं,

- वार्ड के लिए आवश्यक कार्यों की पहचान
- अन्य एजेंसियों द्वारा किये गए कार्य की समीक्षा
- संचालित आंगनबाड़ी, विद्यालय, स्वास्थ्य केंद आदि द्वारा प्रदात सेवाओं की स्थिति
- महिला सुरक्षा व्यवस्था का आंकलन
- महिलाओं एवं किशोरियों की मजबूती के लिए आवश्यक पहल
- वार्ड सभा एवं ग्राम सभा का महत्त्व समझना और समझाना

बीते जुलाई माह में सहयोगिनी एवं सम्बंधित वार्ड सदस्य के आपसी सहयोग से ग्राम गाडार, भरौली, भवराजपुर, संथू, बेलवासा, छाजवां और बंथू श्रीराम में वार्ड सभा आयोजित की गयी। हमारा प्रयास है कि बिहार सरकार के गजट प्रावधान के अनुसार पंचायत के सभी वार्डों में प्रत्येक 3 माह पर कम से कम एक बार वार्ड सभा आयोजित हो ताकि सदस्यों का क्षमता वर्धन हो सके एवं सम्बंधित वार्ड का विकास हो सके।

अगस्त एवं सितम्बर माह के प्रमुख कार्यक्रम

किताबवा कार्यशाला (शिक्षक विशेषांक)12 अगस्त 2025: परिवर्तन से जुड़े अलग अलग विद्यालयों के पुस्तकालय से जुड़ने की इच्छा रखने वाले शिक्षकों के साथ इस कार्यशाला का आयोजन किया जायेगा। इस कार्यशाला के माध्यम से उन्हें अपने विद्यालय के बच्चों को किताबों एवं पुस्तकालय से जोड़ने के तमाम पहलुओं पर चर्चा की जायेगी।

समुदाय आधारित शिक्षण सत्र प्रतियोगिता (13 अगस्त 2025): परिवर्तन के नेतृत्त्व प्रशिक्षण से जुड़े अलग अलग समुदाय के बच्चों के साथ इस कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा। इस कार्यक्रम के माध्यम से प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे बच्चों के अन्दर आये बदलाव आदि को प्रतियोगिता के माध्यम से समझने का प्रयास किया जायेगा।

पंचायत स्तरीय फुटबॉल टूर्नामेंट (20-24 अगस्त 2025): परिवर्तन के फुटबॉल प्रशिक्षण के प्रति बच्चों में उत्साह पैसा करने एवं इस खेल के प्रति उनका जुड़ाव बढ़ाने के उद्देश्य से पंचायत स्तर पर इस प्रतियोगिता का आयोजन किया जायेगा। इस प्रतियोगिता हेतु प्रत्येक पंचायत में खिलाड़ियों का चयन किया जायेगा उसके बाद उनको प्रशिक्षित करके अलग अलग टीमों के बीच आपसी प्रतियोगिता का आयोजन किया जायेगा।

पशु आहार प्रबंधन गोष्ठी (21 अगस्त 2025): पशु पालन से जुड़े किसानों को पशु आहार के प्रति जागरूकता पैदा करने एवं पशु आहार के सारे उपलब्ध विकल्पों आदि पर चर्चा करके के उद्देश्य से इस कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा। इस कार्यक्रम में पशु पालन से जुड़े किसान भाग लेंगे तथा उन्हें विभिन्न तरह की जानकारी को उपलब्ध करवाने हेतु विशेषज्ञ उपलब्ध रहेंगे।

परिवर्तन विज्ञान कांग्रेस (21-23 अगस्त 2025): विज्ञान विषय के प्रति बच्चों में उत्साह पैदा करने एवं विज्ञान को प्रायोगिक माध्यम से समझाने साथ ही साथ विभिन्न तरह से अलग अलग परियोजनाओं पर सोचने समझने विचार विमर्श करने के अवसर उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से इस कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा। इस कार्यक्रम के प्रथम दो दिन बच्चों द्वारा अपनी परियोजना को पूरा किया जायेगा एवं अंतिम दिन उसकी प्रस्तुति दी जायेगी।

खेल दिवस (29 अगस्त 2025): खेल के क्षेत्र में अच्छा कर रहे परिवर्तन से जुड़े तमाम खिलाड़ियों के साथ इस कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा। कार्यक्रम के दौरान खेल के क्षेत्र में देश दुनिया में हो रहे विभिन्न तरह के प्रयासों के प्रति जागरुक किया जायेगा साथ ही साथ परिवर्तन से जुड़कर विभिन्न तरह की उपलब्धियों को प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों को सम्मानित भी किया जायेगा।

नुक्कड़ प्रदर्शन (2-5 सितम्बर 2025): समुदाय के विभिन्न किसानों को जैविक कृषि करने हेतु प्रोत्साहित करने साथ ही साथ रासायनिक उर्वरकों के उपयोग से होने वाले विभिन्न तरह के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूकता के उद्देश्य से इस नुक्कड़ का आयोजन अलग अलग समुदाय में किया जायेगा।

शिक्षक बैठक (4 सितम्बर 2025): परिवर्तन कार्यक्षेत्र के सभी विद्यालयों में आये सभी नए शिक्षकों को परिवर्तन की विभिन्न गतिविधियों की जानकारी देने के उद्देश्य से इस बैठक का आयोजन परिवर्तन परिसर में किया जायेगा। इस बैठक में परिवर्तन की सभी गतिविधियों एवं प्रमुख प्रयासों को शिक्षकों के साथ साझा किया जायेगा।

साक्षरता दिवस (7 सितम्बर 2025): समुदाय को शिक्षा एवं साक्षरता के महत्त्व के प्रति जागरूक करने हेतु इस कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा जिसमें समुदाय के बच्चों के साथ कहानी पाठ के माध्यम से पढ़ने की आवश्यकता एवं हमारी जरूरतों आदि पर बात की जायेगी।

पोषण स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम (9 सितम्बर 2025): विद्यालय में पढ़ने वाले किशोर किशोरियों को उनके स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने एवं इस अवस्था में शरीर के लिए आवश्यक पोषक तत्व, उसकी मात्रा एवं उसकी उपलब्धता आदि पर बात करने के उद्देश्य से इस कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा।